न्यूज डायरी

कमजोर पड़ रहे नेतन्याहू? भ्रष्टाचार के आरोपों के खिलाफ रैली में नहीं जुटे लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। दो चुनावों में असफलता हासिल करने और अब करप्शन के आरोप झेल रहे इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के समर्थन में उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रैली निकाली है। तख्ता पलट रोको लिखी हुई तख्तियां लेकर लोगों ने रैली निकाली। हालांकि ये लोग बड़ी संख्या में लोगों को अपने साथ जोड़ने में सफल नहीं हुए। नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं के अलावा आम लोगों का साथ नहीं मिला। इस प्रदर्शन में कुछ वरिष्ठ सांसद और कैबिनेट मंत्री ही मौजूद रहे। बीते गुरुवार को नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार के मामले में आरोप तय किए गए थे। अटॉर्नी जनरल ने उनके खिलाफ आरोप तय किए हैं। माना जा रहा है कि इस घटना के बाद देश की सत्ता पर नेतन्याहू की पकड़ कमजोर हो जाएगी। इजरायली मीडिया का कहना है कि इस प्रदर्शन में महज 2 से 3 हजार लोग ही मौजूद थे। हालांकि लिकुड पार्टी ने इस आंदोलन में 15,000 लोगों के शरीक होने का दावा किया।

कोर्ट ने 7 को सुनाई मौत की सजा, एक को किया बरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में 2016 में हुए भीषण आतंकी हमले के मामले में कोर्ट ने 7 आतंकियों को फांसी की सजा सुनाई है। 1 जुलाई, 2016 को एक कैफे पर हुए हमले में 22 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर विदेशी नागरिक शामिल थे। कोर्ट के फैसले की जानकारी देते हुए सरकारी वकील गोलम सरवर खान ने रिपोर्ट्स को बताया कि आतंकियों के खिलाफ तमाम सबूत थे और अदालत ने उन्हें सबसे बड़ी सजा दी है।
इस मामले में कोर्ट ने एक आरोपी को बरी कर दिया है। हालांकि आरोपियों पर इस सजा का कोई फर्क नहीं दिखा। कोर्ट में मौजूद एक शख्स ने बताया कि अदालत ने जैसे ही फैसला सुनाया तो खचाखच भरे कोर्ट रूम में एक आतंकी अल्लाह–हू–अकबर के नारे लगाने लगा। इस आतंकी हमले ने 16 करोड़ की आबादी वाले देश को हिला दिया था।

चीनी सरकार हिरासत शिविरों में मानवाधिकार का घोर उल्लंघन कर रही है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि हाल में लीक हुए दस्तावेजों से पता चला है कि चीन सरकार ने अशांत शिनजियांग प्रांत में मुस्लिमों और अन्य अल्पसंख्यकों को क्रूरता से हिरासत शिविरों में बंद कर रखा है। उन्होंने कहा कि वह उनका सुनियोजित तरीके से दमन कर रही है। पोम्पिओ ने कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी हिरासत शिविरों में मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन कर रही है। विदेश मंत्रालय में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पोम्पिओ ने कहा कि दुनियाभर के देश अब यह जान रहे हैं कि चीन में क्या हो रहा है। ये देश शिनजियांग में लोगों के लिए मानवाधिकारों के हालात में सुधार करने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। पोम्पिओ ने चीन सरकार से उन सभी लोगों को फौरन रिहा करने का आह्वान किया जिन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया।

काबुल में आतंकी हमले में भारतीय मूल के अमेरिकी विशेषज्ञ की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने बताया कि अफगानिस्तान में यूएनडीपी के लिए काम कर रहे भारतीय मूल के अमेरिकी विशेषज्ञ की काबुल में हुए आतंकी हमले में मौत हो गई है। पोम्पिओ ने बताया कि काबुल में संयुक्त राष्ट्र की गाड़ी पर हुए आतंकवादी हमले में अनिल राज की मौत हो गई। उन्होंने मंगलवार को एक पत्रकार वार्ता में बताया,''मैं दुख के साथ पुष्टि करना चाहता हूं कि 24 नवंबर को काबुल में संयुक्त राष्ट्र की एक गाड़ी पर हुए आतंकवादी हमले में अमेरिका के कैलिफोर्निया निवासी अनिल राज की मौत हो गई। इस हमले में स्टाफ समेत पांच अन्य नागरिक भी जख्मी हुए हैं।''राज अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के लिए काम कर रहे थे। संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी का लक्ष्य गरीबी को खत्म करना है।

नासा में काम नहीं कर रहे एक भी शौचालय

अंतरिक्षयात्रियों को डायपर का इस्तेमाल करने की सलाह

मुश्किल

■अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में मात्र दो शौचालय हैं, ये दोनों मॉडल रूसी निर्मित है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। इन दिनों एक अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। दुनिया में अपनी लेटेस्ट तकनीकी के लिए जानी जाने वाली संस्था अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में एक भी शौचालय काम नहीं कर रहा है। इस वजह से यदि यहां पर मौजूद किसी अंतरिक्ष यात्री को वाशरूम का इस्तेमाल करना होता है तो उसे डायपर का इस्तेमाल करना होता है। इस बारे में नासा ने भी जानकारी दी थी।

स्पेस स्टेशन में मात्र दो शौचालय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में मात्र दो शौचालय हैं, ये दोनों मॉडल रूसी निर्मित है इनमें से एक अमेरिकी मॉड्यूल में और दूसरा रूसी में बना हुआ है। इसके अलावा, स्टेशन पर सोयूज जहाजों में शौचालय हैं लेकिन उनका उपयोग तब किया जाता है जब जहाज उड़ान में होता है और केवल तब ही होता है जब इसे डॉक किया जाता है।

नहीं काम करने के मिलते रहे संकेत: आईएसएस कमांडर लुका पर्मिटानो के अनुसार, अमेरिकी खंड में शौचालय लगातार संकेत देता है कि यह काम नहीं कर रहा है, जबकि रूसी मॉड्यूल में एक अधिकतम तक भरा हुआ है। इस वजह से यहां काम करने वालों को परेशानी हो रही है। बाद में, स्पेस सेंटर ह्यूस्टन के एक इंजीनियर ने आईएसएस रीकॉन्डर लुका पर्मिटानो को बताया कि अमेरिकी मॉड्यूल में एक शौचालय चालू हो गया था। इस बारे में एक खबर स्पूतनिक वेबसाइट पर भी प्रकाशित की गई है।

क्या है नासा?

नासा का पूरा नाम नैशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन है। इसे संक्षेप में नासा कहते हैं। ये संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार की शाखा है जो देश के सार्वजनिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों व एरोनॉटिक्स व एरोस्पेस संशोधन के लिए काम करती है। फरवरी 2006 से नासा का लक्ष्य वाक्य भविष्य में अंतरिक्ष अन्वेषण, वैज्ञानिक खोज और एरोनॉटिक्स संशोधन को बढ़ाना रखा गया है।

नासा ने 14 सितंबर 2011 में घोषणा की थी कि उन्होंने एक नए स्पेस लॉन्च सिस्टम के डिजाइन का चुनाव किया है जिसके चलते संस्था के अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में और दूर तक सफर करने में सक्षम होंगे।

पेट्रोल की कीमत पर प्रदर्शन को खमैनी ने बताया साजिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अल खमैनी ने बुधवार को कहा कि देश ने पिछले महीने पेट्रोल के दाम में बढ़ोतरी को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा के बाद एक बेहद खतरनाक साजिश को नाकाम किया है।

पेट्रोल के दामों में 200 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की आधीरात को की गई घोषणा के कुछ घंटों बाद 15 नवंबर को यह प्रदर्शन शुरू हुए थे। इन प्रदर्शनों ने हिंसक रूप धारण कर लिया था और इस दौरान कई पेट्रोल पंप जला दिए गए, पुलिस थानों पर हमला किया गया और दुकानों में भी लूटपाट हुई। बाद में हालांकि इन विरोध प्रदर्शनों को दबा दिया गया।

अधिकारियों ने अभी तक इस दौरान हताहत हुए लोगों या गिरफ्तार किए गए लोगों के आंकड़े जारी नहीं किए हैं। इन प्रदर्शनों के दौरान देश के अधिकतर इलाके प्रभावित हुए थे। सरकारी टेलीविजन के मुताबिक खमैनी ने कहा, लोगों ने एक गहरी, व्यापक और बेहद खतरनाक साजिश को नाकाम किया जिसमें बर्बादी, क्रूरता और लोगों की हत्या के लिए काफी रकम खर्च की गई थी। उन्होंने कहा, श्लोगों ने एक बार फिर साबित किया कि वे शक्तिशाली और महान हैं तथा मौके पर अपनी उपस्थिति से उन्होंने एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया।

इजरायल ने गाजा में हमास के ठिकानों को बनाया निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरुशलम। इजरायल ने बुधवार को गाजा में हमास के ठिकानों पर हवाई हमले किए। सेना ने गाजा पट्टी से इजरायली क्षेत्र में रॉकेट दागे जाने के जवाब में यह हमले किए। इजरायली सेना ने कहा कि दक्षिणी गाजा पट्टी में इन हवाई हमलों में हथियार बनाने वाली एक इकाई समेत हमास के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हर हमले का सख्ती से जवाब देने की चेतावनी दी थी जिसके बाद यह हवाई हमले किए गए।

देशद्रोह केसः मुशर्रफ के खिलाफ आदेश सुनाने पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुशर्रफ ने मामले की सुनवाई के खिलाफ याचिका डाली थी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ के खिलाफ देशद्रोह मामले में विशेष अदालत को फैसला सुनाने से रोक दिया है। स्पेशल कोर्ट ने 3 नवंबर, 2007 को आपातकाल घोषित करने को लेकर पूर्व राष्ट्रपति मुशर्रफ परवेज मुशर्रफ (76) के खिलाफ याचिका पर 19 नवंबर को सुनवाई पूरी की थी। मामले में 28 नवंबर को फैसला आना था।

सरकार की याचिका पर आदेश पाक मीडिया के मुताबिक, इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने बुधवार को विशेष अदालत को फैसला सुनाने से रोक दिया है। पाक सरकार ने याचिका दाखिल कर मांग की थी कि वह विशेष अदालत को 28 नवंबर को फैसला सुनाने से रोक दे। मामले में दोषी पाए जाने पर मुशर्रफ को आजीवन कारावास या मृत्युदंड सुनाया जा सकता है।

नवाज सरकार ने शुरू किया था केसः मुशर्रफ के खिलाफ देशद्रोह का मामला पूर्ववर्ती पीएमएल–एन सरकार के दौरान शुरू किया गया था। उनके खिलाफ दिसंबर 2013 में देशद्रोह का मुकदमा शुरू किया गया था। अभियोजन पक्ष ने सारे सबूत सितंबर को विशेष अदालत के समक्ष पेश किए गए थे। फिलहाल स्व–निर्वसन में दुबई में रहे मुशर्रफ ने विशेष अदालत की सुनवाई को चुनौती थी और मांग की थी कि कोर्ट के फैसले पर रोक लगाया जाए। मुशर्रफ ने अपनी याचिका में मांग की थी कि उनकी अनुपस्थिति में सुनवाई न हो।

उधर, मुशर्रफ के खिलाफ देशद्रोह मामले को लेकर अडिशनल अटॉर्नी जनरल ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। उनका कहना है कि उनकी अंतरआत्मा मुशर्रफ के खिलाफ देशद्रोह केस को आगे बढ़ाने की इजाजत नहीं देता। अडिशनल अटॉर्नी जनरल तारिक महमूद खोखर ने इमरान खान सरकार की तरफ से इस्लामाबाद हाई कोर्ट में मुशर्रफ के खिलाफ आदेश को टालने की मांग करते हुए याचिका डाली थी।

राजनयिक मिशन के मामले में चीन टॉप पर, अमेरिका को पछाड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन ने दुनियाभर में राजनयिक मिशनों के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है और वह पहले स्थान पर पहुंच गया है। इस तरह, अब चीन का पूरी दुनिया में सबसे बड़ा राजनयिक नेटवर्क हो गया है। वहीं, एशियाई देशों के मामले में भारत तीसरे स्थान पर है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। अध्ययन के मुताबिक भारत 123 दूतावासों/उच्चायोगों, 54 वाणिज्य दूतावासों और पांच स्थायी तथा चार अन्य मिशनों के साथ 12वें स्थान पर है।

हालांकि, एशियाई देशों की बात करें तो भारत, चीन और जापान के बाद तीसरे स्थान पर है। अध्ययन में कहा गया है कि चीन ने विश्वभर में संपर्क स्थापित करने की अपनी कोशिशों के तहत यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। सिडनी स्थित लोवी संस्थान के अनुसार 2019 में चीन के दुनियाभर में कुल 276 राजनयिक केंद्र हैं, जो अमेरिका से तीन केंद्र ज्यादा है। चीन के दुनियाभर में 169 दूतावास, 96 वाणिज्य दूतावास, आठ स्थायी मिशन और तीन अन्य मिशन हैं। चीन इस मामले में 2016 में अमेरिका और फ्रांस के बाद तीसरे स्थान पर था।